यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग – 9

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk d fo|kFkh gk A ¼ ½
2- 97 vad ,o lkekf;d dju oky 3 vad çkIr dj ldr gA ¼ ½

प्रश्न 1. गाथा पूर्ण करो **15**

1. जे पावकम्मेहिं.....
.....उवेंति
2. वित्तेण ताणं.....परत्था।
..... दट्ठुमदट्ठुमेव।।
3. छदं .....
पुव्वाइं .....मोक्खं।।
4. खिप्पं ण .....
..... चरमप्पमत्तो
5. ..... ण कुन्जा।।
रक्खेज्ज ..... लोंह।।
6. सुत्तेसु यावी.....
गोरा..... चरेऽप्पमत्तो।
7. चरे पयाइं .....मण्णमाणो।
..... मलावंधसी।।

8. संसारमावण्ण .....करेइ कम्मं।

.....उवेंति।।

9. गुण सत्तावीस .....।

.....रे प्राणी ।

10. मत भक्ति .....

नहीं चलेगा .....नोट हैं,

11. प्रातः उठी .....प्राणी।

..... रे प्राणी।

12. आत्मा का ..... हटा दिया।

..... कल्याण का।

13. सुनासंत स्कंदक .....कहो .....

..... शांतिः।

14. जो मैतार्य .....

इसी मंत्र .....शांतिः।।

15. परम शांति .....

.....सदानंद शांत

प्रश्न 2. संक्षेप में उत्तर दीजिए– **20**

1. उत्सर्पिणी काल किसे कहते हैं ?

.....

.....

2. सुखमा सुखम आरे के मनुष्यों को यह सुख कैसे प्राप्त होता है ?

.....

.....

.....

3. हकार दण्ड नीति में 'हां' शब्द का क्या अर्थ है ?

.....

.....

4. पांचवे आरे के अंत में कौन-कौन से स्थान बचेगें ?

.....

.....

5. अवसर्पिणीकाल के छठे आरे में कौन से मनुष्य होगें ?

.....

.....

6. पढ़ाने के बाद म.सा. को क्या बोलना चाहिए ?

.....

.....

7. ''आज प्रवचन में अच्छा टाईम पास हो गया'' इसकी जगह क्या वाक्यांश होना चाहिए ?

.....

.....

8. राज्य मिलने के बाद तपस्वी विश्वामित्र क्या विचार करते है ?

.....

.....

.....

9. चम्पानगरी में क्या आकाशवाणी हुई ?

.....

.....

.....

10. ''सागयं सु आगतं ''का क्या अर्थ है ?

.....

.....

.....

11. सुभद्रासती ने एक द्वार क्यों नहीं खोला ?

.....

.....

.....

12. मिथ्यादर्शन प्रत्यया क्रिया किसे कहते है ?

.....

.....

13. आर्त्तध्यान का दूसरा लक्षण लिखिए।

.....

.....

14. शुक्लध्यान की तीसरी अनुप्रेक्षा क्या है ? लिखिए।

.....

.....

15. सिद्ध भगवान के शरीर नहीं होता हैं, फिर अवगाहना किसकी होती है, तथा उत्कृष्ट अवगाहना लिखो।

.....

.....

16. युगलिक मनुष्य में लेश्या कितनी होती है? लिखिए।

.....

.....

17. चिंटी में कितने ज्ञान व अज्ञान होते है ?

.....

.....

18. वायुकाय में 15 योग में से कितने योग होते है ?

.....

.....

19. 5वें देवलोक के देवों की गति आगति दण्डक सहित लिखिए।

.....

.....

20. श्रमण निर्ग्रंथ के कर्म किसे कहते है, उदाहरण बताओ।

.....

.....

.....

प्रश्न 3. मुझे पहचानो **20**

1. मैं बहुत निर्दय हूँ, मेरे आगे शरीर सर्वथा अशक्त है।

2. किसी वस्त की झुठी प्रशंसा करने से लगने वाली मेरी क्रिया लगती है ?

3. मरने पर भी मैं हिंसादि कार्यो को पश्चाताप नहीं करता हूँ–

4. एक भव की माता अन्य भव में स्त्री, पुत्री बन जाती है यह मेरी विचित्रता है।

5. उत्तर वैक्रिय करने पर मेरी अवगाहना 1 लाख योजन झाझेरी हैं।

6. हममे सभी समुद्घात पाये जाते है।

7. हम ऐसे देव है जो थोड़ी देर असन्नी रहकर सन्नी हो जाते हैं।

8. अवेदी का प्रारंभ मुझसे होता है ?

9. मैं एंकात मिथ्यादृष्टि हूँ पर शुक्ललेशी हूँ।

10. हमारी स्थिति 50 पल्योपम हैं।

11. मैने अहमभाव का त्याग किया तथा रामभाव को धारण किया।

12. मैं 14 पूर्वधारी मे ही होता हूँ लेकिन मेरा विच्छेद हो जाता है।

13. मैंने ममता करी तो मेरा मोक्ष रूक गया।

14. अनंत उष्ण–स्निग्ध परमाणुओं से मैं बनता हूँ।

15. रत्नाधिक से ऊंचे आसन पर बैठने से मुझे आशातना लगती हैं।

16. मैं सदुर्शन पर दौड़ा पर मेरा वार खाली गया।

17. मैने भगवान महावीर को बहुत कष्ट दिये।

18. मैं ससागर पृथ्वी की मांग की थी।

19. मेरी असली भक्ति से नकली भक्ति में ज्यादा आकर्षण रहा।

20. मैंने एक बहुत बड़े यज्ञ का आयोजन किया था।

प्रश्न 4. अर्थ लिखो **12**

1. विहिंसा
2. समाययंति
3. पावकारी
4. साहारणं
5. अणंतमोहे
6. आसुपण्णे
7. परिसंकमाणो
8. अप्पमत्तों
9. विसीयइ
10. समिच्च
11. पयहेज्ज
12. परज्झा

प्रश्न 5. नीचे लिखी गाथाओं का भावार्थ लिखो **10**

1. असंख्यं जीविय मा पमायए जरोवणीयस्स हु णात्थि ताणं।

एवं वियाणाहि जणे पमत्ते, किण्णु विहिंसा अजया गहिंति।।

.....

.....

.....

2. तेणे जहा संधिमुहे गहिए, सकम्मुणा किच्चइ पावकारी।

एवं पया पेच्च इहं च लोए, कडाण कम्माण ण मोक्ख अत्थि।।

.....

.....

.....

3. स पुव्वमेंव ण लभेज्ज पच्छा, एसोवमा सासयवाइयाणं।

विसीयइ सिढ़िले आउसम्मि, कालोवणीए सरीरस्स भेए।।

.....

.....

.....

4. मुहुं मुहुं मोहगुणे जयंतं, अणेग-रूवा समणं चरंतं।

फासा फुसंती असमन्जस च, ण तेसु भिक्खू मणसा पउस्से।।

.....

.....

.....

.....

5. जे संखया लुच्छ परप्पवाई, ते पिज्ज दोसाणुगया परज्झा।

एए अहम्मेत्ति दुगुंछमाणो, कंखे गुणे जाव शरीर भेओ।।

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. अंको में उत्तर दीजिए **10**

1. ''असंस्कृत '' उत्तराध्ययन सूत्र का कौन सा अध्ययन है ?
2. 1 धनुष किसके बराबर होता हे?
3. तीसरे आरे के युगलिक अपने पुत्र-पुत्रीका लालन पालन कितने दिन करते है ?
4. कितने दोष टालकर मुनि सुझती भीक्षा लेवे ?
5. खंदक के चेले कितने थे ।
6. इन्द्रभूति गौतम कितने शिष्यों के साथ प्रभु चरणों में समर्पित हुए।
7. चउरिन्द्रिय में प्राण कितने होते है ?
8. असन्नी भुजपरिसर्प की उत्कृष्ट स्थिति कितनी है?
9. असन्नी मनुष्य में ज्ञान कितने होते है ?
10. सिद्ध भगवान में उपयोग कितने होते है?

प्रश्न 7. सही व गलत बताइये **10**

1. साधु प्रतिकूल स्पर्श में मन से भी द्वेष न करें। ( )
2. प्रशंसा की भावना से दर्शनीय सावद्य वस्तुओं का संग्रह करना प्रात्यियिकी है। ( )
3. 5 अनुत्तर विमान वाले देव अनाहारक होते हैं। ( )
4. तीसरा आरा लगता है, तब आयुष्य 1 पल्योपम होती है। ( )
5. फल भोगे बिना किये हुए कर्मों से छुटकारा मिल सकता है। ( )
6. राजा हरिशचन्द्र मोक्ष गये। ( )
7. ''मैं की अनुभूति ही आत्मा है''। ( )
8. सत् चिंतन है पथ प्रभुवर का सत् चिन्तन शैतान का । ( )
9. दान दिये मन ना घटे, कह गये दास कबीर । ( )
10. शिकारी से अविकारी संयति राजा बने । ( )